भारत के राष्ट्रपति,

श्री राम नाथ को वन्द का

राज्यपाल सम्मेलन-**2018** में आरम्भिक उद्बोधन

राष्ट्रपति भवन, जून **04, 2018**

1. राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस सम्मेलन में आप सबका हार्दिक स्वागत है। इस सम्मेलन में पहली बार शा मल होने वाली मध्य प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल , ओ डशा के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल और मजोरम के राज्यपाल श्री के. राजशेखरन का वशेष रूप से स्वागत है।

2. सामान्यतः यह सम्मेलन प्रत्येक वर्ष के आरंभ में , आयोजित होता है। परंतु कुछ अपरिहार्य कारणों से , वर्ष 2017 का सम्मेलन अक्टूबर महीने में आयोजित हो पाया था। उसके सात महीनों के पश्चात वर्ष 2018 के इस सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। ऐसे सम्मेलन में आप सभी राज्यपालों और उप-राज्यपालों को उप-राष्ट्रपति , प्रधान मंत्री , गृह मंत्री , मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों , नीति आयोग के उपाध्यक्ष तथा सरकार के वरिष्ठतम अ धकारियों के साथ वचार- वमर्श करने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर का उपयोग करके , हम कुछ महत्वपूर्ण वषयों पर पारस्परिक चर्चा करते हुए उन क्षेत्रों में भ वष्य की दिशा तय कर सकेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में राज्यपाल सम्मेलन का अपना वशेष महत्व है।

3. राज्यपाल के संवैधानिक पद की एक वशेष गरिमा होती है। राज्य सरकार के मार्ग-दर्शक तथा हमारे संघीय ढांचे की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में , राज्यपाल अपना निरंतर योगदान देते हैं। राज्य की जनता राज्यपालों को आदर्शों और मूल्यों के कस्टो डयन के रूप में देखती है।

4. पछले सम्मेलन में 'इन्फ्रास्ट्रक्चर', 'पब्लिक स वसेज ', तथा 'हायर एजुकेशन इन स्टेट्स एंड स्किल डेवलपमेंट' से जुड़े वषयों पर वचार- वमर्श हुआ था। आप सभी से इन वषयों पर अच्छे सुझाव प्राप्त हुए थे।

5. पछले सम्मेलन में लए गए निर्णय के अनुसार गठित की गई राज्यपालों की स मति ने अपनी रिपोर्ट जनवरी, 2018 में प्रस्तुत कर दी थी। इस रिपोर्ट में राज्यपालों की भू मका समाज के चेंज-एजेंट के रूप में निरू पत की गई है। आज चौथे सत्र में इस रिपोर्ट के अनुसार की गई कार्यवाही पर भी चर्चा की जाएगी।

6. इस वर्ष के सम्मेलन का एजेंडा तय करते समय यह फ़ोकस रखा गया था क वकास की यात्रा में पीछे रह गए देशवा सयों के हित में क्रयान्वित की जा रही योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी आप सभी को मले तथा उन पर वस्तार से चर्चा हो। व भन्न राज्यों में जिन 115 ऐस्पिरेशनल डस्ट्रिक्ट्स में तेज गति से वकास करने का संकल्प कया गया है उसके क्रयान्वयन के बारे में आप सबको पूरी जानकारी मले। गरीबों, महिलाओं, अनुसू चत जातियों एवं जन-जातियों, युवाओं और कसानों के कल्याण के लए सभी स्टेक-होल्डर्स का मार्ग-दर्शन करने में, यह जानकारी आप सब के लए बहुत उपयोगी सद्ध होगी। हमारे देश में अनुसू चत जनजातियों की लगभग दस करोड़ की आबादी का एक बड़ा हिस्सा, भारतीय सं वधान की पाँचवीं और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में रहता है। वकास की दृष्टि से अपेक्षाकृत पीछे रह गए इन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में आप सभी उ चत मार्ग-दर्शन दे सकते हैं।

7. भारत, वश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। इन युवाओं के जीवन में नैतिक मूल्यों की स्थापना करने तथा उन्हे उ चत शक्षा के लए प्रेरित करने के लए आप सही अर्थों में उनके अ भभावक हैं। आप उन्हे ऐसा चरित्र वक सत करने की प्रेरणा दे सकते हैं जिसके बल पर वे भारतीय मूल्यों के प्रति निरंतर संवेदनशील बने रहें।

8. उच्च- शक्षा के संदर्भ में पछले राज्यपाल सम्मेलन में यह तथ्य सामने आया था क हमारे देश के उनहत्तर प्रतिशत [69%] वश्व वद्यालय राज्य सरकारों के नियंत्रण में चल रहे हैं , जिनमें चौरानबे प्रतिशत [94%] वद्यार्थी शक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनमें से अ धकांश वश्व वद्यालयों के आप कुला धपति हैं। अपने पद , अ धकार और अनुभव का उपयोग करते हुए आप सब शक्षा के स्तर को सुधारने के लए मार्ग-दर्शन और प्रेरणा प्रदान करते हैं। आप सभी यह सुनिश्चित कर सकते हैं क राज्यों के वश्व वद्यालयों में समय पर तथा पारदर्शी तरीके से वद्या र्थयों के दा खले तथा अध्यापकों की नियुक्तियाँ हों। साथ ही परीक्षाएँ , परिणामों की घोषणा तथा दीक्षांत समारोह, नियत समय पर आयोजित हों। तेजी से बदलते हुए वैश्विक परिप्रेक्ष्य में , शक्षा की प्रासं गकता बनाए रखने के लए , समय-समय पर, पाठ्यक्रमों में बदलाव और सुधार करते रहना भी आवश्यक है। युवाओं के साथ संवाद स्था पत करके , आप सभी उन्हे समाज और देश के हित में अपनी शक्षा का सदुपयोग करने की प्रेरणा दे सकते हैं। देश की भावी पीढ़ियों का निर्माण करने के लए हम सबको मलकर निरंतर प्रयास करते रहना है।

9. भारत सरकार ने 2 अक्टूबर , 2018 से आरंभ करके चौबीस महीनों तक महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने का निर्णय लया है और इसके लए राष्ट्रपति की अध्यक्षता में , एक राष्ट्रीय स मति का गठन कया गया है। वगत 2 मई , 2018 को इस स मति की पहली बैठक इसी परिसर में आयोजित की गई। उस बैठक में अनेक अच्छे सुझाव प्राप्त हुए। इस वषय पर भी कल इस सम्मेलन में चर्चा की जाएगी। गांधी जी की स्मृति से जुड़े समारोहों का अपना महत्व है। जैसा क हम सभी जानते हैं , गांधी जी रचनात्मक कार्यों में वश्वास करते थे। अतः सार्थक सामाजिक बदलाव के लए काम करना ही उनकी स्मृति को संजोए रखने का सबसे अच्छा तरीका

है। गांधी जी ने कसी भी कार्य के आरंभ में होने वाली दु वधा को दूर करने का एक स्पष्ट समाधान सुझाया था। उनके अनुसार सबसे दुर्बल और गरीब व्यक्ति के जीवन और नियति को सुधारने का उद्देश्य ही कसी भी कार्य के उ चत होने की कसौटी है। इस परिप्रेक्ष्य में , गांधी जी के आदर्शों और मूल्यों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लए , आप सभी के सुझावों का स्वागत है।

10. राज्यपालों के इस सम्मेलन में उप -राष्ट्रपति तथा प्रधान मंत्री, गृह मंत्री और उनके वरिष्ठ सहयोगी , अपनी उपस्थिति और योगदान से , यहाँ होने वाले संवाद को और अ धक सार्थकता प्रदान करेंगे। आप सभी राज्यपालों का सामाजिक जीवन में लंबा अनुभव रहा है। मुझे वश्वास है क इस सम्मेलन के दौरान आप सबके महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त होंगे। इस सम्मेलन में जो वचार- वमर्श होगा उससे संवेदनशीलता , सौहार्द और समावेश पर आधारित एक अच्छे समाज के निर्माण में सहायता प्राप्त होगी।

11. इन शब्दों के साथ मैं **2018** के इस राज्यपाल सम्मेलन के आरम्भ की घोषणा करता हूँ। अब गृह मंत्री जी से मेरा अनुरोध है क वे सम्मेलन की कार्यवाही को आगे बढ़ाएँ।

धन्यवाद

जय हिन्द!